Table of Contents

1. लेखक से परिचय
2. नहीं होना बीमार

लेखक से परिचय

स्वयं प्रकाश हिंदी के प्रसिद्ध लेखक थे, जिनकी कहानियाँ बच्चों और बड़ों दोनों के दिलों को छू जाती हैं। उनकी रचनाएँ जीवन के सामान्य अनुभवों को सरल और रोचक भाषा में प्रस्तुत करती हैं। उन्होंने बच्चों के लिए साहस, मित्रता और जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं पर आधारित कई मनोरंजक कहानियाँ लिखीं। उनकी प्रमुख रचनाओं में "मात्रा और भार", "अगली किताब", "ज्योति रथ के सारथी", "फीनिक्स" आदि शामिल हैं।

मुख्य बिंदु

- स्वयं प्रकाश की कहानियाँ जीवन के अनुभवों पर आधारित हैं।
- उनकी भाषा सरल और संवादात्मक है।
- कहानियाँ मनोरंजन के साथ-साथ सोचने पर मजबूर करती हैं।
- उनकी कहानियाँ बच्चों के लिए विशेष रूप से उपयुक्त हैं।

पाठ्य प्रमाण / उदाहरण

"स्वयं प्रकाश की कहानियों की विशेषता यह है कि उन्हें पढ़ते समय ऐसा लगता है, जैसे कोई पुराना मित्र बातें कर रहा हो।"

अभ्यास प्रश्न

- **सरल:** स्वयं प्रकाश कौन थे? उनकी कहानियों की विशेषता क्या है?
- **मध्यम:** स्वयं प्रकाश की कहानियों में किन-किन विषयों को प्रमुखता दी गई है?
- **कठिन:** स्वयं प्रकाश की कहानियों का बच्चों के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है?

उत्तर कुंजी

- स्वयं प्रकाश हिंदी के जाने-माने लेखक थे।
- उनकी कहानियाँ जीवन के अनुभवों को सरल भाषा में प्रस्तुत करती हैं।
- वे बच्चों के लिए साहस, मित्रता और जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं को रोचकता से प्रस्तुत करते हैं।

शब्दावली

- **साहसिक कारनामे:** बहादुरी से किए गए कार्य।
- **मनोरंजक:** जो आनंद और खुशी प्रदान करे।
- **संवादात्मक:** बातचीत जैसा।

नहीं होना बीमार

सारांश: यह कहानी एक बच्चे के दृष्टिकोण से लिखी गई है, जो बीमार पड़ने का बहाना बनाकर स्कूल से छुट्टी लेना चाहता है। वह अपने नानीजी के साथ अस्पताल जाकर सुधाकर काका से मिलता है और अस्पताल के माहौल को देखता है। फिर वह खुद को बीमार बताकर आराम करता है, लेकिन उसे असली बीमारों की स्थिति का एहसास होता है। अंत में वह समझता है कि बीमार होना आसान नहीं है और स्कूल जाना बेहतर है।

मुख्य बिंदु

- कहानी का मुख्य पात्र एक बच्चा है जो बीमार होने का बहाना बनाता है।
- अस्पताल का माहौल और बीमारों की स्थिति का वर्णन।
- बीमार होने के दौरान बच्चे के मनोभाव और उसकी सोच।
- कहानी का संदेश कि बीमार होना आसान नहीं है।

पाठ्य प्रमाण / उदाहरण

"क्या ठाठ हैं बीमारों के भी। मैंने सोचा ... ठाठ से साफ-सुथरे बिस्तर पर लेटे रहो और साबूदाने की खीर खाते रहो!"

"... आज क्या खाना बना होगा? खुशबू तो दाल-चावल की आ रही है। अरहर की दाल में हींग-जीरे का बघार और ऊपर से बारीक कटा हरा धनिया और आधा चम्मच देसी घी।"

हल किए गए उदाहरण

प्रश्न: बच्चे ने बीमार होने का बहाना क्यों बनाया?

उत्तर: बच्चे ने स्कूल जाने का मन नहीं था और होमवर्क भी नहीं किया था, इसलिए उसने बीमार होने का बहाना बनाया ताकि छुट्टी मिल सके।

अभ्यास प्रश्न

- **सरल:** बच्चे ने अस्पताल में क्या देखा?
- **मध्यम:** बच्चे के बीमार होने के दौरान उसके मन में क्या विचार आए?
- **कठिन:** कहानी से हमें क्या शिक्षा मिलती है?

उत्तर कुंजी

- बच्चे ने अस्पताल में साफ-सुथरे वार्ड, सफेद चादरें, नर्स और बीमारों को देखा।
- उसने बीमारों की स्थिति, अस्पताल का माहौल और अपनी इच्छा के बीच अंतर महसूस किया।
- हमें यह शिक्षा मिलती है कि बीमार होना आसान नहीं है और स्वास्थ्य का महत्व समझना चाहिए।

शब्दावली

- **वार्ड:** अस्पताल का वह हिस्सा जहाँ मरीज रहते हैं।
- **साबूदाने की खीर:** एक प्रकार की मीठी डिश जो बीमारों को दी जाती है।
- **ठाठ:** आराम और सुविधा।
- **रजाई:** गर्म रखने वाला कम्बल।